जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 47 संख्याः 46 प्रभात बीकानेर, रविवार 7 सितम्बर, 2025 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रू.

यू.एन. की जनरल असैम्बली को प्रधानमंत्री मोदी स्वयम् सम्बोधित नहीं करेंगे

पहले उपलब्ध कराये गये प्रोग्राम के अनुसार, प्र.मंत्री को 26 सितम्बर को, जनरल असैम्बली को सम्बोधित करना था पर अब परिवर्तित प्रोग्राम के अनुसार, विदेश मंत्री एस. जयशंकर को नियुक्त किया गया है 21 सितम्बर को जनरल असैम्बली को सम्बोधित करने के लिये

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 6 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस महीने के अंत में होने वाले संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा के वार्षिक उच्च स्तरीय सत्र की "जनरल डिबेट" को संबोधित नहीं करेंगे।

- सितम्बर माह की जनरल असैम्बली का सत्र सबसे व्यस्त व महत्वपूर्ण सैशन माना जाता है, तथा 23-29 का समय राष्ट्राध्यक्षों या उनके प्रतिनिधियों द्वारा सम्बोधित करने के लिये आरक्षित रहता है।
- सबसे पहले, परम्परागत तरीके के अनुसार, ब्राज़ील जनरल असैम्बली को सम्बोधित करता है, और फिर अमेरिका, राष्ट्रपति ट्रम्प पहले दिन अपना सम्बोधन प्रस्तुत करेंगे।
- 26 सितम्बर को इज़रायल, चीन, पाकिस्तान व बंगलादेश के राष्ट्राध्यक्ष जनरल एसेम्बली को सम्बोधित करेंगे।
- पर, यह भी सच है, कि पूर्व घोषित कार्यक्रम में अंतिम समय तक तब्दीलियां संभव हैं, 23-29 सितम्बर के "हाई लैवल" सप्ताह से पहले।

संयुक्त राष्ट्र महासभा का 80वां सत्र 9 सितंबर को शुरू होगा। उच्च स्तरीय जनरल डिबेट 23 से 29 सितंबर तक चलेगी। परंपरा के अनुसार, ब्राज़ील सत्र का पहला वक्ता होगा, जिसके बाद अमेरिका का नंबर होगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप 23 सितंबर को प्रतिष्ठित महासभा के मंच से विश्व नेताओं को संबोधित करेंगे। यह उनके वाइट हाउस में दूसरे कार्यकाल के दौरान यू एन सत्र को दिया गया पहला भाषण होगा।

80वें सत्र की उच्च स्तरीय जनरल डिबेट के लिए शुक्रवार को जारी अंतरिम वक्ताओं की संस्थाओं सूची के अनुसार, भारत का प्रतिनिधित्व एक मंत्री करेंगे। विदेश मंत्री एस. जयशंकर 27 सितंबर को सत्र को संबोधित करेंगे।

जुलाई में जारी की गई पिछली अंतरिम वक्ताओं की सूची के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी 26 सितंबर को जनरल डिबेट को संबोधित करने वाले थे।

इज़राइल, चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के राष्ट्राध्यक्ष 26 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी इस वर्ष फरवरी में द्विपक्षीय बैठक के लिए अमेरिका गए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यमुना अभी भी खतरे के निशान से ऊपर

नयी दिल्ली, 06 सितंबर। दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर घट रहा है लेकिन निचले इलाकों में बाढ जैसी स्थिति बरकरार है क्योंकि जलस्तर अभी भी खतरे के निशान से ऊपर है।

- हथिनी कुंड बैराज से छोड़े जाने वाले पानी में कमी आने से जलस्तर कुछ घटा है पर खतरा अभी बना हुआ है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पुराने रेलवे पुल का जलस्तर कई दिनों में पहली बार 207 मीटर से नीचे गिरकर 206.36 मीटर हो गया है जबकि खतरे का निशान 205.33 मीटर है।

हरियाणा के हथिनी कुंड बैराज से छोड़े जा रहे पानी की मात्रा में कमी आने के बाद दिल्ली में यमुना के जलस्तर में तेजी से गिरावट आ रही है। इसके चलते शनिवार सुबह यमुना का जलस्तर घटकर 207 मीटर से नीचे आ गया। केंद्रीय जल आयोग का अनुमान है कि जलस्तर में यह गिरावट आगे भी जारी रहेगी। शाम तक इसके जलस्तर में और गिरावट आने की संभावना है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कल लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और धैर्य बनाए रखने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि सरकार, प्रशासन, एनडीआरएफ, जनप्रतिनिधि, नागरिक संस्थाएं और सामाजिक संगठन मिलकर इस चुनौती से निपट रहे हैं तथा शीघ्र ही स्थिति पर पूर्ण नियंत्रण पा लिया जाएगा।

नायडू ने उपराष्ट्रपति चुनाव को लेकर भाजपा की चिंता बढ़ाई

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 6 सितम्बर। उपराष्ट्रपति चुनाव, जो 9 सितंबर को होने वाला है, की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है और इस बीच हालात में अचानक आए मोड़ ने सत्ताधारी भाजपा के आत्मविश्वास को हिला दिया है।

- सूत्रों के अनुसार, नायडू को इस सप्ताह प्रधानमंत्री के साथ चुनाव पर चर्चा के लिए दिल्ली आना था, पर नायडू ने अंतिम समय में आना कैंसल कर दिया और अपनी जगह अपने बेटे नारा लोकेश को भेज दिया।
- सूत्रों ने बताया, कि नायडू के रुख को लेकर भाजपा में बेचैनी निरन्तर बढ़ रही है क्योंकि इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी, रिटायर्ड जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी चन्द्रबाबू के बेहद करीबी हैं। सूत्रों ने बताया कि तेलुगूदेशम के कार्यकर्ताओं व नेताओं में भी एक बड़ा तबका रेड्डी के पक्ष में है।
- नायडू व रेड्डी के निजी संबंधों का फायदा उठाने की कांग्रेस पूरी कोशिश कर रही है। पर भाजपा के रणनीतिकार, मोदी और शाह, कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

सूत्रों के मुताबिक, नायडू से इस हफ्ते दिल्ली आकर चुनाव योजना पर अंतिम दौर की बातचीत करने को कहा गया था। लेकिन चौंकाने वाले ढंग से, इस अनुभवी नेता ने खुद आने के बजाय, अपने बेटे नरा लोकेश को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलने भेज दिया और अंतिम क्षण में अपना दौरा रद्द कर दिया।

टीडीपी के अंदरूनी सूत्र मानते हैं कि पार्टी में मतभेद हैं। दिक्कत इसलिए भी बढ़ गई है क्योंकि विपक्ष के उम्मीदवार, सेवानिवृत्त सुप्रीम कोर्ट जज बी. सुदर्शन रेड्डी, न सिर्फ एक जाने माने तेलुगु व्यक्तित्व हैं बल्कि लंबे समय से नायडू के सहयोगी और शुभचिंतक भी रहे हैं।

भाजपा के लिए यह व्यक्तिगत समीकरण बड़ी चुनौती बन गया है। बताया जा रहा है कि कई कांग्रेस नेता नायडू के संपर्क में हैं और उन्हें एनडीए के प्रति अपनी प्रतिबद्धता कम करने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे हैं। इसी बीच, विपक्षी खेमे में जस्टिस रेड्डी की उम्मीदवारी को लेकर अभूतपूर्व एकजुटता की खबरें भी सत्तारूढ़ खेमे की बेचैनी और बढ़ा रही हैं।

भाजपा के शीर्ष रणनीतिकार, जिनमें मोदी और शाह शामिल हैं, कोई जोखिम नहीं लेना चाहते। हर भाजपा सांसद को कड़ाई से निर्देश दिया गया है कि वे चुनाव की पूर्व संध्या पर 8 सितंबर को प्रधानमंत्री की ओर से आयोजित रात्रिभोज में अवश्य शामिल हों। इस डिनर को एकता का प्रदर्शन और मतदान से पहले आखिरी क्षणों की रणनीतिक कोशिश माना जा रहा है, ताकि मतदान के दौरान किसी तरह की असहमति या गैरहाज़िरी न हो।

राजस्थान विकास परियोजनाओं के लिए पीएनबी से 21 हज़ार करोड़ का ऋण लेगा

मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि इससे ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे, जयपुर मेट्रो विस्तार, अक्षय उर्जा परियोजनाओं को गति मिलेगी

जयपुर, 6 सितम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर राजस्थान सरकार और पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के बीच शनिवार को एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस एमओयू के तहत राज्य की आधारभूत विकास परियोजनाओं के लिए आगामी पांच वर्षों में पीएनबी द्वारा 21 हजार करोड़ रुपये का ऋण उपलब्ध कराया जाएगा।

- मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने पीएनबी अधिकारियों से आग्रह किया कि बैंक राज्य की एमएसएमई इकाइयों को और अधिक सहयोग दे।

मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत-2047 के संकल्प के अनुरूप राजस्थान को विकसित राज्य बनाना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे, जयपुर मेट्रो विस्तार, अक्षय ऊर्जा एवं अन्य आधारभूत परियोजनाएं प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा देंगी। सरकार का लक्ष्य वर्ष 2030 तक प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 350 बिलियन डॉलर तक पहुंचाना है, जिसके लिए पूंजीगत निवेश को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि वित्तीय संसाधन किसी भी विकास यात्रा की रीढ़ होते हैं। उन्होंने बैंक की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि पंजाब नेशनल बैंक राज्य के विकास में एक मजबूत भागीदार बनकर उभरा है। यह साझेदारी विकास और जनकल्याण के नए आयाम स्थापित करेगी। उन्होंने बैंक से राज्य की एमएसएमई इकाइयों को और अधिक सहयोग देने का आग्रह भी किया। इस एमओयू के तहत ऊर्जा, सड़क, पेयजल, स्वच्छता एवं अन्य बुनियादी ढांचे से जुड़ी परियोजनाओं को वित्तीय मदद मिलेगी, जिससे इन कार्यों को गति मिलेगी और आमजन तक इनका लाभ शीघ्र पहुंचेगा।

कार्यक्रम में शासन सचिव, वित्त

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री मोदी राष्ट्रपति मुर्मू से मिले

नयी दिल्ली 06 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को यहां राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की।

मोदी की राष्ट्रपति के साथ यह मुलाकात जापान और चीन की चार दिन की यात्रा से लौटने के बाद हुई है। समझा जाता है कि प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति को अपनी इन महत्वपूर्ण यात्राओं के दौरान इन देशों के नेताओं के साथ हुई बातचीत से अवगत कराया। मोदी ने चीन में शंघाई सहयोग संगठन की शिखर बैठक में भी भाग लिया था और वहां मोदी ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन तथा अन्य वैश्विक नेताओं से भी मुलाकात की थी। राष्ट्रपति भवन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में इस मुलाकात की जानकारी देते हुए एक फोटो साझा किया है।

- मोदी ने उन्हें जापान और चीन यात्राओं के बारे में अवगत कराया।

सांवलिया सेठ में पूजा अर्चना करके, जन्म दिन की शुरुआत करेंगे पायलट

आस्था के साथ, राजनीतिक कारण भी है मेवाड़ के चयन का, मेवाड़ में कांग्रेस का प्रदर्शन सबसे कमजोर था, गत विधानसभा चुनाव में

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 सितम्बर। सचिन पायलट कल अपना जन्मदिन मेवाड़ में मनाने जा रहे हैं, जहां कांग्रेस पार्टी राजस्थान के बाकी हिस्सों की तुलना में बेहद कमजोर है।

- वैसे भी आज कल मेवाड़ के नेता सी.पी. जोशी, कांग्रेस में ए.आई.सी.सी. में, बहुत सक्रिय हैं, महासचिव के.सी. वेणुगोपाल की मदद से राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष का पद पाने के लिये।
- ए.आई.सी.सी. के नेतागण यह ही चाहते हैं कि राज्यों के नेता आपसी लड़ाई में उलझे रहें, जिससे दिल्ली के नेताओं का महत्व व चौधराहट बनी रहे।
- पायलट इस मौके पर मेवाड़ के स्थानीय नेताओं से मिलेंगे, तथा कांग्रेस के मंच पर लाने का प्रयास करेंगे, विशेषकर आदिवासी बैल्ट के लोगों को, जो अब तक उपेक्षित सा महसूस कर रहे थे, सी.पी. जोशी के नेतृत्व वाले मेवाड़ में कांग्रेस के संगठन में और इस कारण से यहाँ पार्टी लगातार कमज़ोर हो रही थी।

यह संयोग ही है कि यह वरिष्ठ कांग्रेस नेता सी. पी. जोशी का गढ़ और उनकी कर्मभूमि है, जो प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनने के लिए हरसंभव कोशिश कर रहे हैं।

पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का सबसे खराब प्रदर्शन मेवाड़ से ही रहा था।

सचिन पायलट सुबह 8 बजे डबोक एयरपोर्ट पहुंचेंगे और वहां से सीधे सड़क मार्ग से चित्तौड़गढ़ जिले में मंडफिया स्थित श्री सांवलिया सेठ के मंदिर (कृष्ण धाम) जाएंगे।

वे अपने दिन की शुरुआत इस विश्व प्रसिद्ध मंदिर में पूजा-अर्चना करके और आशीर्वाद लेकर करेंगे।

इसके बाद वे आसपास के क्षेत्रों से आए कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मिलेंगे और उन्हें एक मंच पर लाने की कोशिश करेंगे। पार्टी नेताओं का कहना है कि यह इलाका मुख्य रूप से आदिवासी बहुल है लेकिन सी. पी. जोशी इस क्षेत्र के आदिवासी नेताओं की लगातार अनदेखी और उपेक्षा करते रहे हैं, जिससे भारी नाराज़गी पैदा हुई है।

सचिन पायलट का जन्मदिन पर यह दौरा इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि जोशी के. सी. वेणुगोपाल का सहारा लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि राज्य के नेताओं और कार्यकर्ताओं की मांग है कि प्रदेश की कमान पायलट को दी जाए, जो समय-समय पर राज्यभर के दौरों में अच्छी पकड़ और समर्थन जुटाते रहे हैं।

एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि दिलचस्प बात यह है कि राहुल गांधी के करीबी वरिष्ठ नेता आपसी टकराव और असंतोष भड़का रहे हैं ताकि अपनी अहमियत बनाए रख सकें और इससे पार्टी को नुकसान हो रहा है।

अंदरखाने की खबर है कि ये नेता चाहते हैं कि हर नेता उनके निर्देशों का पालन करे तथा उनके अनुरुप चले और इससे पार्टी कमज़ोर हो रही है।

लाल किले से एक करोड़ रु. का रत्न जड़ित स्वर्ण कलश चोरी

नयी दिल्ली, 06 सितंबर। राष्ट्रीय राजधानी के ऐतिहासिक लाल किले से करीब एक करोड़ रुपये मूल्य का स्वर्ण कलश चोरी हो गया जो जतनो से सजा था, यह कलश एक जैन धार्मिक अनुष्ठान के दौरान गायब हुआ जिससे आयोजन स्थल पर अफरा-तफरी मच गई और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

जानकारी के मुताबिक चोरी हुआ कलश लगभग 760 ग्राम शुद्ध सोने से बना था और उसमें करीब 150 ग्राम हीरे, माणिक्य और पन्ना जड़े हुए थे। यह धार्मिक कार्यक्रम 28 अगस्त से 09 सितंबर तक चला था, जहां केवल धोती-कुर्ता पहने और अनुमति प्राप्त श्रद्धालुओं को ही प्रवेश दिया जा रहा था।

- कलश जैन धार्मिक अनुष्ठान से गायब हुआ है, 760 ग्राम सोने से बने इस कलश पर 150 ग्राम हीरे, पन्ना व माणक जड़े हुए थे।

घटना दो सितंबर को उस समय हुई जब लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। अचानक भीड़ और हलचल के बीच कलश मंच से गायब हो गया।

पीड़ित सुधीर जैन ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि एफआईआर दर्ज करके तुरंत जांच शुरू कर दी गई है। जांच में घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज में एक संदिग्ध दिखाई दिया, जो कई दिनों से धोती-कुर्ता पहनकर श्रद्धालुओं के बीच घूम रहा था और मौका पाकर मंच तक पहुंच गया।

फुटेज में आरोपी एक थैले में कलश रखकर बाहर जाता दिख रहा है। अधिकारी ने दावा किया है आरोपी की पहचान हो गई है और तलाश जारी है।

'तू मुझसे ख़फा है तो ज़माने के लिए आ---'

ट्रंप ने प्र.मंत्री मोदी को याद दिलाई दोस्ती, मोदी ने भी दिया दोस्ताना जवाब

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 सितंबर। ट्रंप, जिन्होंने शुक्रवार को अपने "ट्रुथ सोशल" प्लेटफॉर्म पर लिखा था कि लगता है भारत "गहरे, अंधेरे चीन" की ओर चला गया है, ने पहला कदम उठाया।

- भारत को चीन के निकट जाता देख अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की बेचैनी इस कदर बढ़ गई कि उन्होंने मोदी को पुनः अपने करीब लाने की कोशिशें शुरु कर दी हैं।
- ट्रंप ने मोदी की जोरदार तारीफ की और कहा, मैं हमेशा मोदी का दोस्त रहूँगा, वे बहुत शानदार व्यक्ति हैं।
- मोदी ने ट्रंप की इस पोस्ट को एक्स पर शेयर किया और कहा, राष्ट्रपति ट्रंप की भावनाओं की सराहना करता हूँ और उनके प्रति मेरी भी ऐसी ही भावनाएं हैं।
- हालांकि ट्रंप ने दोस्ताना लहजे में शिकायत भी की, कि मोदी की रुस व चीन से निकटता उन्हें पसंद नहीं है।
- इस घटनाक्रम को दोनों देशों के बीच बेहतर संबंधों की वापसी का संकेत माना जा रहा है।

शुक्रवार को वॉशिंगटन स्थित ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बातचीत करते हुए ट्रंप ने कहा कि "भारत और अमेरिका में विशेष रिश्ता है।" साथ ही उन्होंने मतभेद की चिंताओं को नज़रअंदाज़ किया।

उन्होंने कहा, "चिंता की कोई बात नहीं है। कभी-कभी ऐसे पल आते हैं।" उन्होंने मुस्कुराते हुए यह भी कहा कि प्रधानमंत्री के साथ उनका व्यक्तिगत संबंध बरकरार है।

एक प्रश्न के जवाब में ट्रंप ने कहा, "मैं हमेशा मोदी का दोस्त रहूंगा, वे महान प्रधानमंत्री हैं। वे शानदार हैं। मैं हमेशा दोस्त रहूंगा, लेकिन अभी जो वे कर रहे हैं, वह मुझे पसंद नहीं है।"

उक्त वीडियो क्लिप के सार्वजनिक होने के कुछ ही मिनटों बाद मोदी ने इसे अपने एक्स (ट्विटर) अकाउन्ट पर उद्धृत किया।

तथापि, ट्रंप ने भारत के रूस से तेल खरीदने के फैसले पर अपनी नाराज़गी दोहराई। उन्होंने कहा, "मुझे बहुत निराशा हुई कि भारत इतना अधिक तेल रूस से खरीद रहा है और मैंने उन्हें यह बता दिया है। हमने भारत पर बहुत बड़ा शुल्क लगाया, 50 प्रतिशत शुल्क, बहुत ऊंचा शुल्क।"

मोदी की पोस्ट जिस समय पर आई, उसे यह संकेत देने के प्रयास के रुप में देखा गया कि हाल के हफ्तों की सार्वजनिक बयानबाजी उनके रिश्तों को परिभाषित नहीं करेगी।

यह गर्मजोशी भरे संदेशों का आदान-प्रदान उस बयान से बिल्कुल विपरीत था, जो एक दिन पहले अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने दिया था।

बोल्टन ने ब्रिटिश चैनल "एलबीसी" को बताया कि ट्रंप का मोदी के साथ "बहुत अच्छा व्यक्तिगत रिश्ता," अब वो बफर नहीं है, जैसा पहले था। उन्होंने कहा, "वह अब खत्म हो चुका है।"

उन्होंने कहा, "मेरा मानना है कि ट्रंप अंतरराष्ट्रीय रिश्तों को नेताओं के साथ अपने व्यक्तिगत रिश्तों के चश्मे से देखते हैं। अगर उनका व्लादिमीर पुतिन से अच्छा रिश्ता है तो अमेरिका और रूस के रिश्ते भी अच्छे हैं। लेकिन हकीकत में ऐसा नहीं होता।"

उनके अनुसार, भारत को रूसी तेल खरीदने के लिए दंडित करने का फैसला एक "अनावश्यक गलती" थी, जिसने अमेरिका के दोनों दलों की उस कोशिश को कमजोर कर दिया, जिसका उद्देश्य नई दिल्ली को वॉशिंगटन के करीब लाना था और शीतयुद्ध के समय मॉस्को से भारत का जो जुड़ाव था, उसे खत्म करना था। उन्होंने कहा, "यह पलटा जा सकता है, लेकिन यह बेहद खराब समय है।"

ऐसी आलोचनाओं के बावजूद, अब ट्रंप और मोदी दोनों ही तनाव कम करने के इच्छुक दिखाई दे रहे हैं।

गुजरात पावागढ़ शक्ति पीठ का गुड्स रोप वे टूटा, 6 की मौत

अहमदाबादे, 06 सितम्बर। गुजरात के पंचमहाल जिले के पावागढ़ के महाकाली मंदिर शक्तिपीठ में शनिवार को गुड्स रोपवे का सामान ले जाने वाले रोपवे के टूटने से 6 लोगों की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

- हादसे में मरने वालों में 2 लिफ्ट ऑपरेटर, दो मजदूर व दो अन्य लोग हैं तथा कई अन्य घायल हो गए हैं।

जानकारी के मुताबिक, रोपवे का तार टूट और ट्रॉली ऊंचाई से नीचे जमीन पर गिर गई। हादसे में कई लोगों के घायल होने की खबर भी है। वहीं, मृतकों में 2 लिफ्ट ऑपरेटर, 2 मजदूर और अन्य दो लोग शामिल हैं। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेजा गया है।

पावागढ़ में इससे पहले 25 अगस्त 2023 को भी बड़ा हादसा होते रह गया था, उस समय महाकाली मंदिर तक जाने वाली रोपवे की पिलर नंबर 4 की केबल बीच में ही टूट गई थी, जिससे 10 से ज्यादा यात्री हवा में बोगियों में फंस गए थे। हालांकि गनीमत रही कि सभी लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया और कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ।